

साहित्य

साक्षात्कार

कला किसी की बपौती नहीं है

छायाकार राजकिशन नैन से
अशोक बैरागी की बातचीत

एक जमाने में 'धर्मयुग', 'सारिका', 'सासाहिक हिंदुस्तान', 'कादम्बनी', 'रविवार' और 'मनोरमा' जैसी सुखियां पत्रिकाओं में राजकिशन नैन के सचिव लेख और फोटो फीचर वर्षों तक निरंतर प्रकाशित हुए हैं। गाँव की भाषा, संस्कृति, रहन-सहन और कृषि संस्कृति की जड़े इनके भीतर में बहुत जर्दे तक समाई हुई हैं। गाँव की बैसिक संपदा से ओतप्रोत इनके अधिकांश चित्र लोग-बाग, पशु-पश्चरु, बाग-बगीचों, खेत-जलिहान और पर्वत्योहर से जुड़े हैं। इनके खूबसूरत चित्र देखकर हर कोई आहुद से भर उत्ता है। प्रस्तुत है, उनकी फोटोग्राफी कला पर दुई बातचीत के संपादित अंश।

■ अशोक बैरागी

हाथ आजमाया?

नैन साहब - जहाँ तक मुझे याद पड़ता है कि अपना पहला चित्र मैंने गाँव की एक पनिहारी का खींचा था, जो हमारे गाँव के बूढ़े कुर्के के पारछे में खड़ी हुई डोल से पानी खींच रही थी। तदुपरात मैंने एक गाले का चित्र खींचा था, जो गाय का दूध दुहने के बाद बछड़े को उसकी माँ के थन चूंचा रहा था। उन्हें दिनों मैंने हमारे गाँव के रौकी सरोवर में भैंस की पूँछ पकड़कर दैहलवी करती थी।

■ अशोक बैरागी - आपने जीवन में पहली बार कैमरा कब पकड़ा? वह कौन-सा कैमरा था?

नैन साहब - सन् 1971 के जून माह में मैंने कैमरा पकड़ा। तब मैंने शिमला स्थित तारादेवी नामक जगह को बेस बनाकर पहाड़ी परिवेश के चित्र खींचे थे। कैमरा विलक्षण था।

■ अशोक बैरागी - सुंदर चित्र खींचने के लिए किस तरह के कौशल की जरूरत पड़ती है?

नैन साहब - सच बात तो यह है कि अच्छे चित्र के लिए प्रकाश और छाया के अंतर को समझने और उनके अनुरूप खास अवसरों को पकड़ने का सरत अभ्यास करना पड़ता है। विधा और हुनर की तरह फोटोकारी की कला भी संवेदन, लगान और धैर्य से हमारे जेहन में आती है। जबकि जल्दबाजी से बना बनाया काम बिगड़ता है।

■ अशोक बैरागी - आपने छायांकन के लिए गाँव को ही क्यों चुना? जबकि चित्रों से ज़ुड़ी बहुत सारी बढ़ियां चीजें तो नगरों और शहरों में भी खूब मिलती हैं?

नैन साहब - मैं बड़भागी हूँ कि मेरे जैसे गाँवी व्यक्ति को सर्वोच्च सत्ता ने देहाती दुनिया की फोटोग्राफी के लिए चुना। जहाँ तक तुम्हारे सावल की बात है, अँखें खोलने के बाद मैं गाँव की बेपनाह खूबसूरती, पुरखों के पारपरिक और श्रमसिक्त संस्कारों की बजह से जिंदा हूँ। ग्रामधरा की सोहन संस्कृति के सुंदर चित्र उतारने की लालसा मुझमें बचपन से ही है। गाँव को बिसारकर मैं एक क्षण के लिए

■ अशोक बैरागी - गाँव में शूल-शूल में आपने किन विषय के चित्रों पर

भी जीवित नहीं रह सकता।

■ अशोक बैरागी - आपका खींचा हुआ पहला फोटो किस पत्रिका में छापा था और वह किसका चित्र था?

नैन साहब - मेरा पहला फोटो दो बृद्धों का चित्र था, जो 'जूम फोटो' नामक अंग्रेजी पत्रिका में 15 जून, सन् 1981 में छापा था। इस पत्रिका का संपादन अपने जमाने की मशहूर शिखियत सादिया देहलवी करती थी।

■ अशोक बैरागी - आपने जीवन में पहली बार कैमरा कब पकड़ा? वह कौन-सा कैमरा था?

नैन साहब - सन् 1971 के जून माह में मैंने कैमरा पकड़ा। तब मैंने शिमला स्थित तारादेवी नामक जगह को बेस बनाकर पहाड़ी परिवेश के चित्र खींचे थे।

■ अशोक बैरागी - कैमरों का चित्र खींचने के लिए किस तरह के कौशल की जरूरत पड़ती है?

नैन साहब - डिजिटल कैमरों के आने से तकनीक के बदलाव में जमीन-आसमान का अंतर आ गया है। बक्त के साथ कैमरे बदलते रहे हैं। सबसे पहले इंटर्नेट से कैमरे बदलते रहे हैं।

■ अशोक बैरागी - आपने जीवन में कैमरों का चित्र खींचने के लिए किस तरह के कौशल की जरूरत पड़ती है?

नैन साहब - सच बात तो यह है कि अच्छे चित्र के लिए प्रकाश और छाया के अंतर को समझने और उनके अनुरूप खास अवसरों को पकड़ने का सरत अभ्यास करना पड़ता है। विधा और हुनर की तरह फोटोकारी की कला भी संवेदन, लगान और धैर्य से हमारे जेहन में आती है। जबकि जल्दबाजी से बना बनाया काम बिगड़ता है।

■ अशोक बैरागी - आपने जीवन में कैमरों का चित्र खींचने के लिए किस तरह के जोखिम उठाए हैं?

नैन साहब - मैं बड़भागी हूँ कि मेरे जैसे गाँवी व्यक्ति को सर्वोच्च सत्ता ने देहाती दुनिया की फोटोग्राफी के लिए चुना। जहाँ तक तुम्हारे सावल की बात है, अँखें खोलने के बाद मैं गाँव की बेपनाह खूबसूरती, पुरखों के पारपरिक और श्रमसिक्त संस्कारों की बजह से जिंदा हूँ। ग्रामधरा की सोहन संस्कृति के सुंदर चित्र उतारने की लालसा मुझमें बचपन से ही है। एक बार फूलों की घाटी की ओर जाते हुए एक ग्लेशियर से फिल्सकर मैं अलकनंदा नदी में डूबते-डूबते बचा था। सांपों,

बिच्छुओं, कानखूरों, कछुओं, मधुमक्खियों, भिरड़ों और तत्त्वों आदि से भी मेरा सामना होता रहता है। बाहरी प्रदेशों में काम करते समय कई ऐसे डरावने हादसों से गुजरना पड़ा है, जिन्हें याद करके आज भी शरीर में सिहरन दौड़ जाती है। मेरी दिली इच्छा है कि इस संसार से जाते समय मेरे हाथ में कैमरा हो तथा घर से दूर कहीं चित्र खींचते हुए भीतर एकाएक मुझे अपने आगोश में ले ले।

■ अशोक बैरागी - कला का काम करने की एवज में जो सम्पान-पुरस्कार वर्गेरह मिलते हैं, उनके बारे में आपकी कथा राय हैं?

नैन साहब - किसी भी सम्मान की बनिस्पत मेरे काम की अहमियत ज्यादा है। पुरस्कारों की अपनी राजनीति के इस दौर में सच्चे कलाकार को अपने काम की एवज में सम्मान की इच्छा रखना बेमानी है। कलाकारों से सम्मान के लिए फार्म भरवाने जैसी कागजी औपचारिकताएँ पूरी करवाना उनका और उनकी कला का गला घोने के समान है। मेरा मानना है कि कला से जुड़े खास लोगों के काम को भावी पीढ़ियों के लिए संग्रहित, संरक्षित और प्रदर्शित करके भी उनका कद बढ़ाया जा सकता है।

■ अशोक बैरागी - आजकल अखबारों और पत्रिकाओं में कलात्मक चित्रों के लिए कितनी गुंजाइश है?

नैन साहब - पहले तमाम अखबारों में चित्रों के लिए भरपूर जगह रहती थी लेकिन अब अखबारों में वैसे चित्र नहीं छपते। चित्रों को अधिकाधिक स्थान देने वाली तमाम पत्रिकाएँ कभी की बंद हो गई। मोबाइल में कैमरे अने के बाद कला छायांकन का काम संकट में पड़ गया है। मोबाइल फोटोग्राफी के अनियन्त्रित विस्तार ने उत्कृष्ट एवं कलात्मक छायांकन को एक बारागी ही हासिये पर धकेल दिया है। अब कला मिशन न होकर व्यवसाय बन गई है दूसरे में साठ फूट गहरे कुएँ में जा गिरा था। एक बार फूलों की घाटी की ओर जाते हुए एक ग्लेशियर से फिल्सकर मैं अलकनंदा नदी में डूबते-डूबते बचा था।

एकांकी

पनीर लेते आना

■ डॉ. रीना सिंह

पति- हेलो।

पति- हेलो, हां बोलो।

पति- कहा हो?

पति- कहां रहीं इस वक्त, घर पर ही हूँ। बोलो क्यों फोन किया?

पति- कौन स्थानाथ फूफा का फोन आया था।

पति- वहीं जिनका बेटा अमेरिका में इंजीनियर है।

पति- हां तो क्या बोलें?

पति- बोले किसी काम से मुंबई आ रहे हैं। हमारे यहां तीन-चार दिन रुकेंगे।

पति- क्या? हेलो, हेलो, हेलो..

पति- हेलो, हां आवाज नहीं आ रही क्या?

पति- हेलो, हेलो, हेलो..

पति- मुझे आ रही है तुम्हारी आवाज। फूफा आ रहे हैं सुनाई दिया।

उनका खाना बना देना।

पति- हेलो, हेलो। (फोन कट)

पति- अरे कट हो गया! पिर लगाता हूँ।

पति- हेलो, हेलो, हेलो

पति- हेलो, हेलो। (फोन कट)

(शाम को सात बजे पति फूफा के साथ लिप्टर में आते हुए)

पति- ट्रेन लेट हो गई थी?

फूफा- हां एक स्टेनिंग पर डेंड्र धंटा रुक गई।

पति- कोई बात नहीं। आप आराम से यहां रुकिए। अच्छा लगता है।

नहीं तो कितने सालों

तब मुलाकात ही नहीं होती।

फू

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन को लेकर हुई बैठक



◆ जगह-जगह होगा स्वागत

पत्र, देशबन्धु। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर्लिकार्जुन खड़ो 22 अगस्त को संभागीय मुख्यालय सागर आ रहे हैं। वह कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम के लिए बनाए गए पूर्व मंत्री विधायक लग्न घनघोरिया शनिवार का पत्रा पहुंचे और

उन्होंने जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा आयोजित एक जिला स्तरीय बैठक को इंद्रपुरी कॉलोनी स्थित मैरिट गार्डन में संबोधित किया। इस अवसर पर जिला प्रभारी जीवन पटेल सहित जिले भर के पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे। जिला प्रभारी जीवन पटेल ने भी सभी पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में सागर पहुंचने का आग्रह किया। बैठक के दौरान मंचाचीन पार्टी नेताओं ने व पदाधिकारी ने अपनी अपनी और से वाहानों को ले जाने की संख्या भी दर्ज कराई। बैठक में विधायक, शिवदाल बागरो, पूर्व विधायक श्रीकांत दुर्वे, पूर्व चैंधरी, प्रदेश महामंत्री शरादा पाठक, पीसीसी मंत्री कांत पपू दीक्षित, राम किशोर मिश्र विष्णु नेता, वरिष्ठ नेता रविंद्र शुक्ला, जीरा बाई पटेल अध्यक्ष महिला कांग्रेस, आशीष खेरे जनपद अध्यक्ष शहनगर, वीरेन्द्र द्विवेदी, पुष्पेन्द्र सिंह पसरा, गिरधारी लोधी सहित कांग्रेस संख्या में पार्टी पदाधिकारी वह कार्यकर्ता मौजूद रहे। मंच संचालन पवन जैन ने किया।

पानी से भरे गड्ढे में गिरी बच्ची, मौत

भोपाल, देशबन्धु। घर के बाहर बने गड्ढे में डूबने से एक छेड़े साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई। घटना के बाद उसके माता-पिता निर्माणाधीन निगम के पौधारोपण कार्यक्रम में हांगामा हो गया। चूंकि कार्यक्रम में नहीं बुलाने से नाराज इसी वार्ड के कांग्रेस पार्षद योगेंद्र सिंह गुड़दू चौहान उड़खड़ गए। उन्होंने महापौर मालती राय के सामने ही विरोध दर्ज कराया। इस दौरान उनकी महापौर से नोंकझोंक भी हुई। वहाँ विरोध दर्ज कराने के बाद पार्षद कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए और उन्होंने कहा कि कांग्रेस परिषद की बैठक

बाहर बने 4 इंच के गड्ढे में मुंह के बल गिर गई। उन्हें बारिश का पानी था, जिसमें डूबने से उसकी मौत हो गई। परिन बापप आए वह अचेत हालत में गड्ढे में पड़ती है। वे उसे अस्पताल ले गए, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। घटना की सूचना पिनों के बाद पहुंची पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया और शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौप दिया।

युवक ने जहर खाकर की आत्महत्या

अयोध्या नगर इलाके में एक युवक ने

जहर खाकर जान दे दी। अयोध्या नगर पुलिस के मुख्याविक 23 वर्षीय संदीप मीना रायसेन का रहने वाला था। रायसेन में संदीप की खेती-बाड़ी है। करीब तीन महीने पहले संदीप भोजपुरी आया था और यहाँ आकर शहर कर रहे थे। घटना की सूचना पिनों के बाद पहुंची पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया और शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौप दिया।

पुलिस मामले की जांच में जुरी है।

कार्यक्रम में नहीं बुलाने पर उखड़े पार्षद, बोले - परिषद की बैठक में मुद्दा उठाएगी कांग्रेस

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी के वार्ड-46 में शुक्रवार सुबह हुए नारा निगम के पौधारोपण कार्यक्रम में हांगामा हो गया। चूंकि कार्यक्रम में नहीं बुलाने से नाराज इसी वार्ड के कांग्रेस पार्षद योगेंद्र सिंह गुड़दू चौहान उड़खड़ गए। उन्होंने महापौर मालती राय के सामने ही विरोध दर्ज कराया। इस दौरान उनकी महापौर से नोंकझोंक भी हुई। वहाँ विरोध दर्ज कराने के बाद पार्षद कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए और उन्होंने कहा कि कांग्रेस परिषद की बैठक



परिषद सदस्य जगदीश यादव समेत अन्य पार्षदों ने योगेंद्र सिंह को समझाया।

वहाँ विरोध दर्ज कराने के बाद पार्षद चौहान कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए और लौट गए। उन्होंने कहा कि जिस वार्ड से जनता ने मुझे चुना है, उसी में कार्यक्रम हो रहा और स्थानीय पार्षद को ही हांगामा हो गया। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद भी उनकी जांच कराने के बाद भी उठाऊंगा।

वहाँ विरोध दर्ज कराने के बाद भी उठाऊंगा। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद भी उठाऊंगा। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद भी उठाऊंगा। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद भी उठाऊंगा। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद भी उठाऊंगा। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद भी उठाऊंगा। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद भी उठाऊंगा। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद भी उठाऊंगा। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद भी उठाऊंगा। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद भी उठाऊंगा। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद भी उठाऊंगा। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद भी उठाऊंगा। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद भी उठाऊंगा। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद भी उठाऊंगा। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद भी उठाऊंगा। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद भी उठाऊंगा। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। यह वार्ड के लोगों और कांग्रेस पार्टी का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को आगामी परिषद की बैठक में भी उठाऊंगा।

परिषद की बैठक में जांच कराने के बाद

जिला अस्पताल में पहली बार हुआ कुल्हे का सफल ऑपरेशन, गरीब मरीज के घेरे पर लौटी मुस्कान

टीकमगढ़, देशबन्धु। 55 वर्षीय नना यादव जो कि लंबे समय से चलने फिरने में असमर्थ थे। डॉक्टरों ने बड़े शहर में इलाज कराने की सलाह दे दी थी। दरअसल नना यादव की कुल्हे की हड्डी टूट गई थी। मरीज सहजे उसके परिजन भी बेहद परेशान थे। लेकिन जिला अस्पताल में पदवीय अस्थि रोग विशेषज्ञ डा. जगदीश प्रजापति ने जिला अस्पताल में पहलीबार कुल्हे को बदलने काम किया है। जिसके बाद मरीज नन्हे यादव अब आम इंसान की तरह चल फिर सके गे।

डॉक्टर प्रजापति ने बताया कि उनके पास एरोरा निवासी नना यादव जिनकी उम्र 55 वर्ष थी। वह जिला अस्पताल उपचार हुए थे। एक्सप्रे उपरांत यह पता चला कि मरीज की कुल्हे की हड्डी टूटी हुई है। यह सुनकर मरीज के परिवार चाले घबरा गए। उम्र के हिसाब से नना यादव के परिजन रिक्ष महीने लेना चाह रहे थे। लेकिन डॉ. प्रजापति के समझाने के बाद जिला अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में उन्होंने अपनी विशेषज्ञ टीम के साथ युक्त बदलने का सफल आपरेशन कर दिया। डॉक्टर प्रजापति के कहना है कि इंदिकात को केवल ऑपरेशन करके ही दूर किया जा सकता है। इसके अलावा और कोई रसना नहीं था। अब पहले की तरह नना यादव भी कुछ महीनों बाद पहले जैसे ही चल-फिर सकेंगे।



एसडीएम ने किया मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

टीकमगढ़, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई हैं, जिसको लेकर मप्र और उप पुलिस के अधिकारी कर्मचारी की एक समूहिक बैठक जतारा विधानसभा क्षेत्र बॉर्डर के नजदीकी थाने मऊरानीपुर आवोडीत की गई। जहां पर दोनों राज्यों के पुलिस अधिकारी, कर्मचारी की समूहिक बैठक में मप्र और उप के निगरानी सुधा असमानिक तत्व की सुचियां का आदान-प्रदान किया गया और मध्य प्रदेश पुलिस में उत्तर प्रदेश पुलिस से बॉर्डर के सम्पर्कवाले गांव और बॉर्डर पर मध्य प्रदेश में होने वाले चुनाव को लेकर सहयोग मांगा है।

मौरीगंग में शान्तिकारी व कर्मचारी निरीक्षक तुलसीराम पाठेय थाना अध्यक्ष मऊरानीपुर, डीजीरामसिया चौधरी थाना प्रभारी बाहुदारी कलां, उनि आकाश रसिया चौकी प्रभारी कलां व संपादन नायक व थाना मऊरानीपुर का अन्य पुलिस स्टाफ पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के आदान-प्रदान के बारे में अवारोहन करने पर मतदाता सूची में जोड़े हेतु मतदान केन्द्र पर बीएसओ से संपर्क कर। इस अवसर पर मतदान केन्द्रों पर मतदाता सूची का वाचन किया गया।



मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया के बारे में कराया अवगत

टीकमगढ़, देशबन्धु। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवधेश शर्मा के निर्देशन में जिले में मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत मतदाताओं को उनके मतदान केन्द्रों के प्रति जागरूक करने एवं मतदान से संबंधित प्रक्रिया को सुलभ रूप से समझाया जा रहा है। इसीक्रम में अभियान अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर मतदाताओं को ईवीएम-द्वारा पीपीटी से मतदान करने की प्रारिक्रिया के बारे में अवारोहन करने वाले मतदाता सूची में जोड़े हेतु मतदान केन्द्र पर बीएसओ से संपर्क कर। इस अवसर पर मतदान केन्द्रों पर मतदाता सूची का वाचन किया गया।

मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया के बारे में कराया अवगत

चुनाव के मददेनजर सुरक्षा को लेकर हुई संयुक्त बैठक

जतारा, देशबन्धु। आगामी विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई हैं, जिसको लेकर मप्र और उप पुलिस के अधिकारी कर्मचारी की एक समूहिक बैठक जतारा विधानसभा क्षेत्र बॉर्डर के नजदीकी थाने मऊरानीपुर आवोडीत की गई। जहां पर दोनों राज्यों के पुलिस अधिकारी, कर्मचारी की समूहिक बैठक में मप्र और उप के निगरानी सुधा असमानिक तत्व की सुचियां का आदान-प्रदान किया गया और मध्य प्रदेश पुलिस में उत्तर प्रदेश पुलिस से बॉर्डर के सम्पर्कवाले गांव और बॉर्डर पर मध्य प्रदेश में होने वाले चुनाव को लेकर सहयोग मांगा है।

मौरीगंग में शान्तिकारी व कर्मचारी निरीक्षक तुलसीराम पाठेय थाना अध्यक्ष मऊरानीपुर, डीजीरामसिया चौधरी थाना प्रभारी बाहुदारी कलां, उनि आकाश रसिया चौकी प्रभारी कलां व संपादन नायक व थाना मऊरानीपुर का अन्य पुलिस स्टाफ पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के आदान-प्रदान के बारे में अवारोहन करने पर मतदाता सूची में जोड़े हेतु मतदान केन्द्र पर बीएसओ से संपर्क कर। इस अवसर पर मतदान केन्द्रों पर मतदाता सूची का वाचन किया गया।

पार्थिव शिवलिंग निर्माण का हुआ समापन

विशाल भण्डारे में शामिल हुए लोग



कार्यक्रम में प्रतिविधियों के तहत 31 अगस्त तक चलने वाले मतदाता सूची के द्वारा विशेष संक्षिप्त पुराणेक्षण अंतर्गत मतदाताओं से अपील की जा रही है कि जिन मतदाताओं ने 18 वर्ष की उम्र पूर्ण कर रहे सभी पाल नगरियों से अपील की जा रही है कि जिन मतदाताओं ने 18 वर्ष की उम्र पूर्ण कर रहे हेतु मतदान एक अवसर बर 2023 को 18 वर्ष की उम्र पूर्ण कर रहे हेतु, वे अपने मतदान केन्द्र पर बीएसओ से संपर्क कर अपना नाम मतदाता सूची में जोड़े हेतु आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन वोटर हेल्पलाइन के माध्यम से भी नाम जोड़ने के लिए आवेदन ऑनलाइन किया जा सकता है।

कार्यक्रम में प्रतिविधियों के तहत 31 अगस्त तक चलने वाले मतदाता सूची के द्वारा विशेष संक्षिप्त पुराणेक्षण अंतर्गत मतदाताओं से अपील की जा रही है कि जिन मतदाताओं ने 18 वर्ष की उम्र पूर्ण कर रहे सभी पाल नगरियों से अपील की जा रही है कि जिन मतदाताओं ने 18 वर्ष की उम्र पूर्ण कर रहे हेतु मतदान एक अवसर बर 2023 को 18 वर्ष की उम्र पूर्ण कर रहे हेतु, वे अपने मतदान केन्द्र पर बीएसओ से संपर्क कर अपना नाम मतदाता सूची में जोड़े हेतु आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन वोटर हेल्पलाइन के माध्यम से भी नाम जोड़ने के लिए आवेदन ऑनलाइन किया जा सकता है।

सावन तीज पर मंदिरों में डाले झूले, दर्शन करने उमड़ी भक्तों की भीड़

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले में शनिवार को सावन तीज पर्व परंपरागत तरीके से मना याद गया। शिव धाम कुड़ेश्वर सहित सभी प्रमुख मंदिरों में झूला डालकर भगवान को विराजमान किया गया। लद्दू औपाल के झूला दर्शन करने वाले भक्तों में लोग मंदिरों में पहुंचे। भक्तों ने भगवान को झूला द्वालकर सुख समृद्धि की मनोकामना की।

नगर परिषद लिंगोरा के प्राचीन बड़ा मंदिर में आज शाम धार्मिक परंपराओं के अनुसार सावन तीज के त्वरत भगवान को झूले पर मंदिरों के भीड़ उड़ गई। शिव धाम कुड़ेश्वर सहित शहर के प्राचीन नजरबाग मंदिर, जानकी बाग मंदिर, प्रश्न राघव मंदिर, विजय राघव मंदिर, दिल्ली बाग्या मंदिर सहित सभी प्रमुख मंदिरों में आज बड़ा भगवान को झूले डालकर भगवान को विराजमान किया गया। नजरबाग मंदिर के पुजारी ने सावन तीज पर्व बड़े अनुष्ठान से उनके परिकर ने सावन के झूला दर्शन करने के बाद भगवान को झूले पर मंदिरों में भजन कीर्तन का आयोजन किया जाएगा।



सरकार मंदिर और द्वालकर की परंपरा के अनुसार विधान से की जाती है। शिव धाम कुड़ेश्वर सहित शहर के प्राचीन नजरबाग मंदिर, जानकी बाग मंदिर, प्रश्न राघव मंदिर, विजय राघव मंदिर, दिल्ली बाग्या मंदिर मंदिरों में आज बड़ा भगवान को झूले डालकर भगवान को विराजमान किया गया। नजरबाग मंदिर के पुजारी सुर्दू मोहन द्विवेदी ने बताया कि 1 सासार ह तक मंदिरों में भगवान के झूला दर्शन हो गये। इसके बाद पुलिस ने भगवान की परंपरा के बाद भजन कीर्तन का आयोजन किया जाएगा।

सड़क पर आवारा मवेशियों का कब्जा, राहगीर हो रहे हादसे का शिकायत



टीकमगढ़/पलेरा, देशबन्धु। इन दिनों स्थानीय नगर की गली-मोहल्लों में घूमते आवारा पशु लोगों के लिए आपके लिए खाता बना रहा है। इन पशुओं के आपस में घिन्ने से ऐसी कारण लोगों को रोज रहा है। बड़ा सड़क पर बेलमान हुए आवारा पशुओं के कारण लोगों को रोज कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बीच सड़क पर आवारा पशुओं के होने से यातायात बाधित हो रहा है। इसके अलावा सड़क के बीचों-बीच इनके झगड़े पर तो स्थिति और विकट हो जाती है। इग्नार्ड पशुओं के बीचों-बीच इनके झगड़े होते हैं। इन्हें सड़क से भगाने की कोशिश में ही कोहर सुरक्षित निकलना मुश्किल है। ऐसा नहीं है कि इस समस्या की खबर जिम्मेदारों की काब्जा तक हो जाती है। इसके अलावा जपाद क्षेत्र तक नहीं है एं लेकिन समाधान कुछ भी नहीं हो जाता है। इसे बीचों-बीच में भगाने के बाद जिम्मेदार हैं। मवेशियों से हिंसा सधने के बाद इन्हें सड़कों पर आवारा जानवरों का कब्जा होने के बीचों-बीच बहुत हृदय तक पशु सड़कों व आवारों की जानवरों का भय बना रहा है। सुबह तक वे बीचों-बीच से यातायात बाधित होते हैं। इसके अलावा जपाद क्षेत्र से भगाने की कोशिश में ही बीचों-बीच से यातायात बाधित होत

देश के यशस्वी गृह एवं
सहकारिता मंत्री

श्री अमित शाह जी

का भोपाल में हादिक
अमिनंदन

20 साल विश्वास के
विकास के



गरीब कल्याण महाअभियान की शुरुआत एवं रिपोर्ट कार्ड विमोचन

20 अगस्त 2023 | पूर्वाह्न 11:00 बजे

मुख्य अतिथि: श्री अमित शाह

कार्यक्रम स्थल: कुशाभाऊ ठाकरे सेंटर, भोपाल, मध्यप्रदेश



कार्यक्रम से लाइव जुड़ने के लिए QR कोड पर स्कैन कीजिए



